भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 2750**

दिनांक 05 अगस्त, 2025

**बिहार में कृषि अनुसंधान**

**2750. श्री गिरिधारी यादव:**
**श्री दिनेश चंद्र यादव:**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार विशेष पैकेज योजना के अंतर्गत बिहार राज्य में कृषि अनुसंधान के लिए केन्द्र सरकार की कोई कार्ययोजना क्रियान्वित की जा रही है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी योजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है; और
(ग) उक्त सभी योजनाओं/परियोजनाओं पर अब तक व्यय की गई राशि का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री**
**(श्री भागीरथ चौधरी)**

**(क) से (ग):** माननीय प्रधानमंत्री के बिहार पैकेज - 2015 में कृषि अनुसंधान से संबंधित निम्नलिखित दो परियोजनाऐं/स्कीम शामिल थीं:

(i) राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (बिहार) को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के स्तर पर उन्नयन करना।

(ii) आईसीएआर-महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान, मोतिहारी, बिहार (पूर्व एकीकृत कृषि पर एनआरसी)

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2016 को भारत के राजपत्र में दिनांक 28/05/2016 को अधिसूचित किया गया था। यह संस्थान, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE) के अन्तर्गत राष्ट्रीय महत्व का है और अपने 08 महाविद्यालयों के माध्यम से मात्स्यिकी, मौलिक विज्ञान, मानविकी एवं समुदाय विज्ञान, कृषि व्यवसाय एवं वानिकी सहित कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। वर्ष 2015-16 से अब तक इस विश्वविद्यालय को 1492.23 करोड़ रूपये की राशि आवंटित की जा चुकी है।

- आईसीएआर-महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान (MGIFRI), मोतिहारी, बिहार को 30.00 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ 20 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया था और तदनुसार वांछित अवसंरचना एवं जनशक्ति की स्थापना की गई। यह संस्थान एकीकृत कृषि प्रणाली पर कृषि अनुसंधान कर रहा है। वर्ष 2015-16 से अब तक इस संस्थान को 68.94 करोड़ रूपये की राशि आवंटित की जा चुकी है।

*******